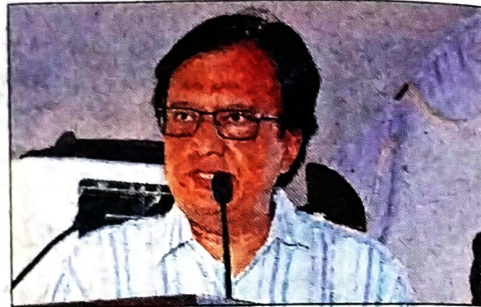


# Ramdeobaba University's counseling session on 'Higher Education post-XII' concludes with great success

## ■ Business Reporter

**RAMDEOBABA** University (RBU) successfully hosted its counseling session on 'Higher Education post-XII' on June 8 and 9, 2024. The event saw overwhelming and enthusiastic participation from students and parents eager to explore academic and career options.

The session was inaugurated with a keynote address by Dr S S Mantha, Chancellor of Ramdeobaba University and former Chairman of All India Council for Technical Education (AICTE), New Delhi. Dr R S Pande, Vice-Chancellor of RBU and Dr S B Bodkhe, Registrar of RBU were also present. "Embracing Inter/ Intra/ multidisciplinary B.Tech courses and integrated MBA programmes after XII standard is essential for cultivating versatile engineers and leaders who

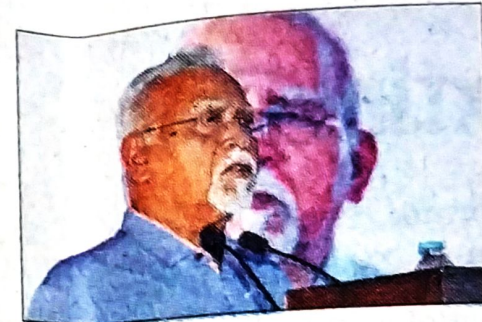


Dr S S Mantha

can navigate complexities of technological and business landscapes," said Dr Mantha.

Dr Mantha provided valuable insights into the diverse higher education and career opportunities available to students post-XII standard. He also highlighted the multiple opportunities available to students to pursue quality engineering education in RBU.

Dr Vijay Khole, former Vice-Chancellor of University of Mumbai, highlighted the importance of pursuing engineering programmes based on



Dr Vijay Khole

emerging technologies to prepare students for the global market. It was informed to the participants and others that while RBU will not be a part of the CAP conducted by the Directorate of Technical Education (DTE), Government of Maharashtra, it will conduct its own admission process from the academic year 2024-25. Students were encouraged to take to the exam to be conducted by RBU. For details, visit the campus at Ramdeo Tekdi, Katol Road, Nagpur (M: 7620575240/9356364020).

# रामदेव बाबा विद्यापीठ में उच्च शिक्षा पर परामर्श सत्र

■ नागपुर, बिजनेस कनेक्ट. आज की तकनीकी और व्यावसायिक दुनिया की जटिलताओं पर मार्गदर्शन करने वाले बहुमुखी इंजीनियर और नेता तैयार करने के लिए 12वीं के बाद इंटर/इंटर/मल्टीडिसिप्लिनरी बीटेक कोर्स और इंटीग्रेटेड एमबीए प्रोग्राम विद्यार्थियों को करना चाहिए. यह सलाह रामदेव बाबा विद्यापीठ के चांसलर व अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एसएस मंथा ने दी. वे रामदेव बाबा



विद्यापीठ द्वारा '12वीं के बाद उच्च शिक्षा' पर आयोजित 2 दिवसीय परामर्श सत्र में मार्गदर्शन कर रहे थे. रामदेव टेकड़ी स्थित विद्यापीठ परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों व अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा

लिया. डॉ. मंथा का विशाल अनुभव और विशेषज्ञता छात्रों और अभिभावकों को उनके शैक्षिक भविष्य के बारे में निर्णय लेने में मार्गदर्शन करती है. उन्होंने छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण इंजीनियरिंग शिक्षा प्राप्त करने के लिए रामदेव बाबा में

उपलब्ध कई अवसरों पर भी प्रकाश डाला. मुंबई विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. विजय खोले ने छात्रों को वैश्विक बाजार के लिए तैयार करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों पर आधारित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने भारतीय विरासत और मूल्य प्रणाली के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली से संबंधित पाठ्यक्रमों की आवश्यकता पर भी जोर दिया. डॉ. आरएस पांडे, डॉ. एसबी बोडखे प्रमुखता से उपस्थित थे.